



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0366934

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Sanchaitanya

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

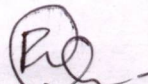
तारीख
Date

25/8/23

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

HYDERABAD


निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- 1 ✓ टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

1 It is easier to build strong children than to repair broken men

* ————— *

Who would have thought in 1947 that a country with 80 percent of poor with 30 percent of literacy rate one day would land its flag on moon. First homewarding to 75 years, India on 29th August at 6:03 PM IST successfully soft landed Chandrayaan 3. All credits go to vision of tripod Jawaharlal

Nehru, Vikram Sarabhai and Homi Jahangir Bhabha who build strong foundation of children as space sector to grow.

In contrast, during the same period of 1947 in another part of country we witness horrifying scenes of communal tensions resulting in death of lakhs of people across border. This virtue of Commu-
-nationalism is result of british carrot & stick and Divide & Rule policy in early 20th century which grew into broken man at last phase of colonial rule. Howe-
-ver that broken man is still bleeding & hurting ^{from} its wounds post 75 years as seen from recent Nuh violence in Haryana.

Hence from above two incidents it can be aptly concise the maxim,
It is easier to build strong children than

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

to repair broken man'

In this essay, we will explore what is meant by Strong Children & Broken man?, why it is easier to build Strong children and tough to repair Broken man?, How to build Strong children and repair broken man? and finally anti dimensional view of tough to build Strong children and easy to repair broken man.

[Strong Children] here metaphorically refers to strong foundation laid when anything is at nascent stage. As we see in medical science anything which gets acclimatised in early age stays forever till death. As per Signung Irved research, children get attracted to parents opposite sex, however with bear of father prevents them to get incest

which get in to mind like long.

mean while, Broken men here

Contextually refers to anything that get
break than what is intended. As broken

men is ^{one} who do not have such strong
foundation as described above. She is
brittle than can explode with minute strength

on them. * As per Chinese proverb, Broken
men gets heal very difficulty than can
lost ages.

There here we can easily comprehend
to build strong children rather repairing
broken man. Then the question that arises
is why it is difficult to repair broken
man ^{easy to} build strong children?

As per Locke, ~~strong~~ children
are like tabula rasa which has no
innate knowledge in themselves. The
mouldness capacity of them is high

that can get desired result. As per Psychology a strong foundation builds a tall skyscrapers that can reach such heights where sky is no limit.

for instance, Growth of story of India is memoir to tell. Started with a newly born baby in terms of economy, polity and socially, sowing its seed by great forefathers of India reaping its benefits today as 3rd largest economy in PPP terms, 3rd largest startup ecosystem, strong diplomatic stature and so on.

Similarly, children are those who learn very fastly. As Curiosity is necessity of innovation, the pie of curiosity is peak when during childhood and get reduced as we age. Using that aspect of curiosity to exploit for building

Strong foundation.

For instance, story of Albert Einstein is more remarkable here. Despite born with minute health deficits, he is more curious to learn things. This curiosity of him made him to search the innate part of nature leading to discover theories like General & special relativity.

In contrast, Broken man is one who felt difficulty in process. She has been through process, experienced it and failed to imitate it thus left with wounds on her. Hence it is ^{difficult to} repair her, as it requires more effort considering that she is not a child anymore. So the moulding factor is less here.

For example, aspect of climate change and its effect is not new to us. As said, 21st century problem is problems without passports, therefore any new disasters has underlying cause of

climate change. But this broken earth to get repaired requires lot of efforts in the form of Net zero emission, transition of energy so on and so forth.

Similarly, to repair broken men requires consensus of all parties. As we know over years of upbringing and transforming of child to men, he has acquired many friends and relatives. So, to get overhauled repair need participation of all those stakeholders. As Bertrand Russell says, its Coexistence or No existence.

For instance, the demon of corruption in India is experienced by all at least once in all walks of life. In Corruption perception Index, India ranks at 146 is testimony of fact. However to curb this demon before it spits fire, we need participatory collaboration from bottom up approach. Also attitude of chalta hai

need to be manifested to the Sakta Hain.

Therefore we have seen why it is easy to build strong children ~~and~~ than repair broken men. Then the question now arises is, how to build strong children and repair broken man?

As said before, to have strong children we need to intervene as early as possible. As Margaret Mead said, children need to be taught how to read rather what to read, ~~which~~ brings a new change in their characteristics. It was also reiterated by Yuval Noah Harari in Sapiens, that in the era of information excess we need to teach how to use information wisely.

For instance, this was inculcated in the National Education policy of 2020 where values like rationality, curiosity and modern technological pedagogy got ascribed. This is hoped to build ^{today's} strong children reaping tomorrow's demographic dividend.

Similarly, Socialisation is aspect that can shape the children in making role strength. In the universal debate of Nature versus Nurture, the probability of Nurture role is overwhelming than nature. As Abdul Kalam says, to have corrupt free, strong India we require effort from 3 peoples - father, mother and teacher.

For instance, Vivekananda transformation from Narendra is testimony of fact from human being to Being Humane. One of factor is socialisation by mother of him which inculcated values of tolerance, faith, compassion earning its lifelong.

In contrast, Broken Men despite being hollow from inside, can be filled with aspect of positivity so that wounds get healed automatically. Aspiration of proper treatment, ensured Rehabilitation and

Supportive psychological help can ensure men to get back on track.

For example, suicide attack is one of major death among youths today. For instance as per NCRB, no of people who attempt suicide are more than number of martyrs of soldiers at border. This can be reduced by all those intervention at proper time & space.

Similarly, proper Role model approach can be imbibed so that many people get inspired with them to not repeat the mistakes done. As saying goes, the leader is one who does not lead from front but motivates from back.

For example, when pullala Copichand lost his match in commonwealth of 2004, it inspired many generation ahead in raising leaders like PV Sindhu, Saina Nehwal, Chirag Shekty etc..

However, as saying goes 'All that glitters are not gold'. Thus there can be opposite view too i.e., it is difficult to build strong children and easy to repair broken men. How?

Strong children, despite get moulded so easily but lacks experience to get inculcates values intended. As there is no one size fit all approach, not all children get same type of quality aspects in childhood. There is also aspect of diversity, specially to India which need to be taken care of. For example, a tribal children from Raftar does not inspire from Gandhi or Rose than inspired from Birsa Munda.

In the same way, Broken men has advantage of experience. She gets learning from failure that acts as greatest guru in next attempt. This

Advantage can be helpful in easily pushing the man who almost reached end line to other side. What is required a small tingle that can make him success.

Lastly, we have seen permutation of Strong Children and Broken man with respect to easy and tough through lens of build and repair. However what we tends to achieve is Happiness at last eventhough she is strong child or Broken men. Thus I conclude it by iterating Shloka in Upanishad,

Same Bhavantu Sukhinah
Same Santu Niramayah
Same Bhadrani Pushyante

Na Kashit Bhadramayah
Om Shanti Shanti Shantih

{ Let all be happy, Let all be
glorious, Let everyone overwhelm
by grief and be auspicious,
Peace Peace Peace }

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

8. Keep your face to sunshine and you cannot see a shadow

* ————— *

It all started in Athens olympics in 2004. All eyes were on him and when time do come he failed to get spot in finals.

Nevertheless, he started again in Beijing olympics in 2008. Same crowd and same encouragement when he was on stage. However, he got placed in 5th position.

Not loosing hope, he again started afresh in London olympics in 2012

Same energy and same encouragement. But this time result were different. He got silver medal at last but all his hearts were on gold medal.

Last but not least, again started refreshly in Rio 2016 olympics with same enthusiasm but he finally got what he really wanted i.e. Gold medal, after 16 years.... I repeat 16 years of effort.

He is Oscar Figueroa, a Columbian ~~wrestler~~ weight lifter who took 16 years to acquire gold he dreamt of. But what made him to sustain all these years is "keep his face to sunshine and not seeing a shadow". which means, orienting towards positivity and never let negative shadow comes at our vicinity.

In this essay, we will explore the maxim by what it meant by keeping face at sunshine and not looking at shadow?, why to do it and how

it can be done coupled with anti view of looking at shadow too have advantage.

Keeping face at Sunshine metaphorically

usually refers to always be guided by light. In the room of darkness, a small lit of candle makes a large difference thus being positive instruct a person to follow the path created by it.

for instance, Malala Yousafzai words, in the 'world of silence, a small voice has huge results'. This light made her to move to the path straight to receive noble peace prize and destiny.

While Cannot see a shadow

Contextually refers to overthrowing negative thoughts that get surrounded.

When Sun get shines over anybody it too create a shadow of reflection but the difference between shine & shadow is contrast of optimist & pessimist.

For example, as saying goes 'Pessimist always complains of wind while optimist sail through the wind', thus keeping face at sunshine has huge difference to blind at shadow.

Then the Question that arises is, why to keep face always to sunshine and to prevent seeing at shadow?

Keeping face at sunshine enables to personality personal & professional growth. It pushes you from back and get inspired to the light. It ensures that person to take a torchlight and illuminates all over the world so that all faces get towards sunshine.

For instance, Nelson Mandela was imprisoned for 29 years which he lost precious youth behind iron doors. Despite not getting overtuned by shadows, always moved towards the ray of light i.e., truth

and Non violence. When he got released from prison & became president, rather punishing perpetrators, forgave them from his heart

Similarly, Keeping face to sunshine

entails in blessed from god. In Bhagavad gita too, ^{lord} Krishna enlightens Arjuna by doing proper Dharma to get blessings from god. Light follows to those person who holds the vine, thereby keeping face to sunshine follows in practicing proper Bhakti Yoga.

for example, Gandhiji when he left to South Africa promised to abstain from Non vegetarian to mother. He never broke that promise till his death, enabling the shower of light always shines on him.

In contrast, Cannot seeing a shadow imbibes to not get pulled towards the

darkness. In the path of light, there come many obstacles which need to be surpassed once at all. However, make sure that obstacle does not get captivated you. Thus we require to keep face to Sunshines.

For instance, Growth of Pakistan was well ahead ^{of} India in first 2 decades of Independence. But that path of prosperity got potholes in the form of military dictatorship, Extremism, etc. & so forth resulting in present failed state.

Similarly, Cannot seeing a shadow referring to not getting accustomed to comfortness. As saying goes, Success is not a child of combat, hence we need the light of Sunshine in the era of darkness to get blind of shadow.

For example, Muhammad Ali, a renowned boxer of USA hated every minute of ~~teaching~~ training and always wanted to have combat. But the aspect of

keeping face towards sunshine get inspired him to move towards the destiny.

But as saying goes, Everything is not fair in love and war. Sometimes

we need to take opposite stance to have reverse effect to get desired result. There fore in some way looking at shadow is helpful at one point or other.

Shadow is some thing which is darkside of ourselves. there are many things to get learned from shadow for getting inspired. As it teaches lesson from failure to not get repeated one at all. As said, History gets repeated but in order to repeat in positive form we need to search from the darkness in the shell.

Similarly, sometimes seeing at shadow provides us to know how we are doing at present. As saying

goes; "It is important to know how far you have come rather how far to go", this attitudinal change can be learnt from the shadow created by Sunshine.

But as we know, "ship donot sink because water around ~~it~~ ^{it}, but water that gets into it", hence in order to not get shadow into us what are all required to constantly baring towards Sunshine?

As Bhagwad gita explains concept of 'Nishkam karma' i.e., "Karmanye vadhika vaste Na phalebhu kadaahanam" { You have right to do duty not results }, persistent efforts without thinking of result is need of hour. Sun will always shine to those who does duty boundedly. Even lord Krishna iterates on karma Yogi as most ecstatic aspect

Similarly, Small efforts with uniform energy ^{will} ~~is~~ enables to provide great

results. In Atomic Habits, author James Clear speaks of small habits creates large behaviour change. Thus minute efforts towards facing sunshine brings large changes in the result.

In the same way, aspect of tolerance self control as virtue enables to face towards sunshine eventhough some aspect of shadow get into arena of light. This was also reverberated in Stoicism philosophy of being stern & stiff without getting affected.

And finally in book Obstacle is the way, author Rode Holand speaks of 3 values - Perception, action and will to be followed in any forthcoming shadow so that ^{the} intensity of sunshine get pierced of the clouds illuminating ^{our} faces.

Therefore as Martin Luther King says,
If you can't fly walk
If you can't walk crawl
If you can't crawl start
But by all means, keep moving

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

It is easier to build Strong Children than to repair broken man

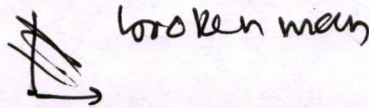
Intro → ISRO v/s Communalism

Body → ^① what is strong children? ^② what is broken man?

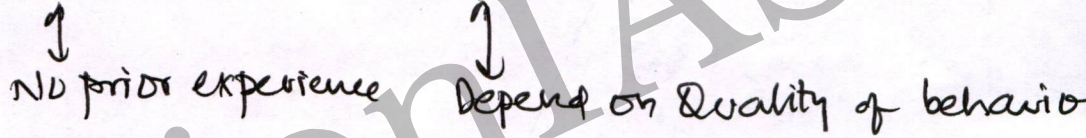
^③ why it is easier to build SC? ^④ why it is tough to repair broken man?

^⑤ How to build strong children? ^⑥ How to repair broken man?

Counter thesis → ^⑦ tough to build strong children & easy to repair broken man



^⑦ Experience : learned failures



^⑤ → Teaching how to read than what to read - Margaret Mead (1)

→ Socialisation → Abdul Kalam → Strong Children requires efforts from m, f, T
↳ Vivekananda

^⑥ → Rehab & Psychological Support (Drug)

→ Role model approach (Oscar Piguere)

^④ → Requires more effort (L-C)

→ Consensus of all parties (Dejlob)

^③ → tabula rasa (Lulle) (

→ Seed (own grows in to tree that lays fruit (India's grow ISRO) India grow)

Conclusion → Some Bhavanti Lokmah
Some Santu Niramayab
Some Bhavate Prshyanti
Na Kashe
Om Shanti Shanti hi

SPACE FOR ROUGH WORK

Keep your face to Sunshine, you cannot see shadow

Intro →

Be positive

Body → ① What does keeping face to sunshine mean?

- ② ^{what} ~~why~~ to not look at shadows ✓
- ③ Why to keep face in sunshine ✓
- ④ why to not see shadows. ✓

⑤ Sometimes need to look a shadow

⑥ How to keep face @ sunshine to not see shadow

① → Be positive ✓
→ Search for light ✓

② → ^{overturn} negativity ✓
→ Pessimistic attitude ✓

③ → Personal & Professional growth ✓
→ Blessing from god ✓

④ → Pull back is to darkness ✓
→ Attract to comfort ✓

⑤ → to get lessons from failure (History is a lesson)
→ know how far you have come & how much to go (attitude)

⑥ → ~~Not~~ Persistence ✓
(Nishkam Karma)
→ Small efforts (Great oak built small bits)

If you cant fly... ^{then} walk

If you cant walk... ^{then} crawl

If you cant crawl... ^{then start} move

But by all means keep moving

- MKK